शरणों छोड़ दाता कहाँ जाऊँ कबीर साहेब भजन लिरिक्स

शरणों छोड़ दाता कहाँ जाऊँ,
मेरे औरन कोई,
तुम से दूजा काल हैं,
देखिया कर टोई,
शरणो छोड़ दाता कहाँ जाऊँ।bd।

मात पिता हेतु बंधना,
आप रहे सुख रोई,
मेरे तो सब सुख आप हो,
आप रहे मुख जोई,
शरणो छोड़ दाता कहाँ जाऊँ।bd।

गुण तो मुझमें हैं नहीं,
औगण बोतेरा होई,
ओट लीनी आपरे नाम री,
राखोनी पत सोई,
शरणो छोड़ दाता कहाँ जाऊँ।bd।

मैं गरजी अर्जी लिखू
मर्जी जस होई,
अर्जी विपत्ति लिखू आपने,
राखु नहीं गोई,
शरणो छोड़ दाता कहाँ जाऊँ।bd।

सतगुरु तुम चिन्यावणा,
मत बुध्दि सब खोई,
सकल जीवों रे आप हो,
दूजा ना कोई,
शरणो छोड़ दाता कहाँ जाऊँ।bd।

धर्मीदास सत साहिबा,
घट घट में समोई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

साहिब कबीर सा सतगुरु मिलिया,
आवागमन निवोई,
शरणो छोड़ दाता कहाँ जाऊँ।bd।

शरणों छोड़ दाता कहाँ जाऊँ,
मेरे औरन कोई,
तुम से दूजा काल हैं,
देखिया कर टोई,
शरणो छोड़ दाता कहाँ जाऊँ।bd।

स्वर – सन्त नैनी बाई जी खारिया।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार जी।
आकाशवाणी सिंगर। 9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com